रं कल्याण संस्था

(पंजीकरण संख्या-1452)

पंजीकरण कार्यालय : 4/353 विवेक खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

विस्तार कार्यालय : रं मं बं , चीड़ोंवाली विस्तार, लेन नं.-3, पोस्ट-ऑफिस-कंडोली, राजपुर रोड, देहरादून-248001

email : rungkalyansanstha@gmail.com, Contact: 9412053774

श्री नृप सिंह नपलच्याल
मुख्य संरक्षक

केन्द्रीय कार्यकारिणी

श्री करन सिंह गर्ब्याल
संरक्षक

श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी
अध्यक्ष

श्री नारायण सिंह दरियाल
उपाध्यक्ष

श्री नर सिंह नपलच्याल
महासचिव

श्री जीवन सिंह मार्छाल
संयुक्त सचिव

श्री अर्जुन सिंह नपलच्याल
संगठन सचिव

श्री नयन सिंह कुटियाल
कोषाध्यक्ष

श्री रमेश सिंह पतियाल
प्रधान संपादक

श्री करन सिंह थापा
सांस्कृतिक सचिव

श्री प्रकाश सिंह गुंज्याल
श्री जय प्रकाश सिंह नपलच्याल
ऑडिटर

श्री जीवन सिंह सीपाल
श्री देव कृष्ण सिंह फकलियाल
श्री कल्याण सिंह सोनाल
श्रीमती भावना पतियाल
श्रीमती शकुंतला पतियाल रायपा

कार्यकारिणी के सदस्य

क्रमांक–5/रंकसं/ए.जी.एम./2024–25 दिनांक 02–11–2024

रं कल्याण संस्था के माकम कैलाश (चौदास) धारचूला में आयोजित ए.जी.एम.–2024/रं महोत्सव दिनांक 19–20 अक्टूबर, 2024 का कार्यवृत्त।

रं कल्याण संस्था द्वारा ए.जी.एम.–2024/रं महोत्सव का आयोजन पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार दिनांक 19–20 अक्टूबर, 2024 को जनपद पिथौरागढ़ के अन्तर्गत तहसील धारचूला के चौंदास घाटी में स्थित माकम कैलाश नामक स्थान पर किया गया। इस आयोजन के सन्दर्भ में संस्था द्वारा दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 के पूर्वान्ह में उद्घाटन समारोह तथा तद्दिनांक को अपरान्ह से लेकर अगले दिवस अर्थात 20 अक्टूबर, 2024 के सॉय तक संस्था की वार्षिक साधारण सभा (ए.जी.एम.) से सम्बन्धित बैठक सम्पन्न कराने की रूपरेखा नियत की गयी थी। इस पूर्व निरूपित रूपरेखा के अनुरूप कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस आयोजन/कार्यक्रम के दौरान सम्पादित कार्यकलापों, चर्चा–परिचर्चा एवं लिए गए निर्णयों से सम्बन्धित कार्यवृत्त सार रूप में निम्नवत् है :–

1. उद्घाटन समारोह :

(1) ए.जी.एम.–2024/रं महोत्सव के उद्घाटन हेतु संस्था द्वारा मा. मुख्यमंत्री जी की मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति के निमित्त उनसे सम्पर्क करते हुए संस्था की ओर से क्षेत्रीय समस्याओं के सम्बन्ध में उन्हें एक ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया था। मा. मुख्यमंत्री जी से हुई भैंट के दौरान मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग करने हेतु तथा संस्था द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया था, किन्तु अन्तिम क्षणों में अपरिहार्य परिस्थितियों के फलस्वरूप मा. मुख्यमंत्री जी उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग नहीं कर पाये और उनका आडियो संदेश तथा उनके द्वारा की जाने वाली घोषणाओं का विवरण उनके कार्यालय के माध्यम से दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 को ही प्राप्त हुआ।

(2) उपर्युक्त पृष्ठभूमि में, दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 को उद्घाटन समारोह विशिष्ठ अतिथि श्री हरीश सिंह धामी, मा. विधायक, धारचूला, श्री विनोद गिरि गोस्वामी, जिलाधिकारी, पिथौरागढ़, श्री मंजीत सिंह, उप जिलाधिकारी, धारचूला, रं कल्याण संस्था के मुख्य संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल, केंद्रीय संरक्षक श्री बिशन सिंह बौनाल, केन्द्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण, धारचूला शाखा के अध्यक्ष श्री दीपक सिंह रौंकली तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री जनक सिंह पायर की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में चौंदास घाटी के समस्त ग्रामों के सैकड़ों ग्रामवासियों के साथ–साथ व्यास, दारमा, व्यासी सौका समाज एवं रालम पातो घाटी के अनेक व्यक्तियों, संस्था की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों तथा अन्य सदस्यों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। चौंदास घाटी के ग्रामवासियों जो कि अपने परम्परागत वेशभूषा (रंगा–चुंभाला) से सुसज्जित थे, के द्वारा पारम्परिक वाद्य यंत्रों की झंकार पर छोलिया नृत्य के साथ उक्त विशिष्ठ अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें मंचासीन कराया गया। तत्पश्चात् समस्त अतिथिगणों को पुष्पगुच्छ भैंट कर तथा ब्यंठलो (परम्परागत साफा) पहना कर अथवा शॉल ओढ़ाकर उनका अभिनन्दन किया गया।

(3) उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ मंचासीन विशिष्ठ अतिथियों तथा संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जहाँ एक ओर चौंदास घाटी की महिलाओं के द्वारा मंगलाचरण गीत एवं स्वागत गीत प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का अभिनन्दन किया गया, वहीं दूसरी ओर देहरादून शाखा की महिलाओं के द्वारा संस्था गीत प्रस्तुत करते हुए संस्था के उद्देश्य/संकल्प के प्रति उपस्थित समस्त सदस्यों/प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता हेतु आह्वान किया गया।

(4) विशिष्ट अतिथियों के उक्तानुसार औपचारिक स्वागत के उपरान्त उद्घाटन समारोह की औपचारिक प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। रं कल्याण संस्था के अध्यक्ष श्री करन सिंह गर्ब्याल अपनी अस्वस्थता के कारण आयोजन में सम्मिलित नहीं हो पाये, ऐसी स्थिति में महासचिव के प्रस्ताव एवं सदन के अनुमोदन के क्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक श्री बिशन सिंह बोनाल द्वारा की गयी। सर्वप्रथम, आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री जनक सिंह पायर द्वारा समस्त अतिथियों/प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सुदूर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संभावित कठिनाईयों के लिए अग्रिम क्षमा याचना की गयी। तदोपरान्त संस्था के संरक्षक श्री बिशन सिंह बोनाल द्वारा भी अपने स्वागत सम्बोधन के माध्यम से मंचासीन अतिथिगणों एवं समस्त प्रतिभागियों का अभिनन्दन करते हुए संस्था के कार्यकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

(5) स्वागत सम्बोधन के उपरान्त संस्था द्वारा प्रकाशित पत्रिका "अमटीकर" एवं वर्ष 2023–24 के दौरान संस्था द्वारा किए गए कार्यकलापों से सम्बन्धित वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 का विमोचन मंचासीन अतिथिगण से कराया गया तथा संस्था द्वारा प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदन तथा अमटीकर की प्रति उपस्थित समस्त सदस्यगणों/महानुभावों को वितरित की गयी। इस अवसर पर संस्था के सदस्य श्री प्रताप सिंह गर्ब्याल द्वारा रचित काव्य संग्रह "बिन पंखों के बादल और अन्य कविताएं" का विमोचन भी कराया गया। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथियों के द्वारा विभिन्न घाटियों से कार्यक्रम में पधारे 75 वर्ष से अधिक आयु के अनेक बुजुर्गगण, जिनमें महिलाएं भी सम्मिलित थीं, को पंडाल में उनके स्थान पर ही जाकर उन्हें संस्था के प्रतीक चिन्ह के रूप में अंग वस्त्र पहनाकर उनका अभिनन्दन किया गया।

(6) उक्त कार्यक्रम के उपरान्त संस्था के मुख्य संरक्षक द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए रं कल्याण संस्था के द्वारा समाज एवं क्षेत्र हित में किए गए प्रमुख कार्यों से सभा को अवगत कराने के साथ–साथ रं क्षेत्रों से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं, जिनमें मानसरोवर/आदि कैलाश यात्रा को चौंदास घाटी होकर संचालित करने, चौंदास घाटी को तवाघाट–व्यास रोड से जोड़ने वाले निर्माणाधीन मार्ग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने एवं इनर लाईन को जौलजीबी शिफ्ट करने की आवश्यकता से सम्बन्धित विषय प्रमुख थे, की ओर विशिष्ट अतिथि एवं जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ का ध्यानाकर्षण करते हुए इंगित समस्त समस्याओं के शीघ्र निदान हेतु उनसे अपेक्षा की गयी। उन्होंने क्षेत्र के गाँवों में नाप भूमि को बिना अधिग्रहित किये और सार्वजनिक भूमि/गौचर, वन पंचायत/वन भूमि पर बिना गाँव वालों की आम सहमति और अनुमति के किसी विभाग द्वारा कब्जा न किये जाने पर जोर दिया तथा जिला प्रशासन द्वारा इसे सख्ती से सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

(7) समारोह में उपस्थित जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ श्री विनोद गिरि गोस्वामी द्वारा अपने सम्बोधन में रं क्षेत्रों में अपने भ्रमण के अच्छे संस्मरणों का सन्दर्भ देते हुए इन क्षेत्रों में पर्यटन विकास के माध्यम से रोजगार के बेहत्तर अवसर सृजित किए जाने तथा अन्य इंगित समस्याओं के समाधान हेतु ठोस कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया गया।

(8) समारोह में उपस्थित विशिष्ट अतिथि श्री हरीश धामी, मा. विधायक, धारचूला विधान सभा क्षेत्र द्वारा सभा को सम्बोधित करते हुए रं कल्याण संस्था, रं समाज एवं समस्त रं क्षेत्रों के साथ अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक रिश्तों का उल्लेख करते हुए यह आश्वासन दिया गया कि क्षेत्र एवं समाज की समस्त इंगित समस्याओं के निराकरण हेतु सार्थक प्रयास करने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी विधायक निधि से जी.आई.सी. माकम कैलाश के परिसर के विकास हेतु रू. 25.00 लाख तथा रं कल्याण संस्था को रू. 5.00 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा भी की।

(9) मंच संचालक श्री अरविन्द सिंह ह्याँकी द्वारा सभा को अवगत कराया गया कि मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यालय से इस बीच एक आडियो संदेश तथा उनकी ओर से की जाने वाली घोषणाओं का विवरण दूरभाष के माध्यम से प्राप्त हुआ है जिसके अनुसार मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा इस आयोजन की सफलता हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए निम्न घोषणाएं करने हेतु अपनी सहमति प्रदान की गयी है :–

(9.1) कुमायूँ मण्डल विकास निगम द्वारा संचालित आदि कैलाश–ओमपर्वत यात्रा सर्किट में नारायण आश्रम को भी सम्मिलित करते हुए इस यात्रा को चौंदास होकर संचालित किया जायेगा।

(9.2) ग्राम रूंग–तीज्या, सिर्खा, हिमखोला, तंतागांव रोंतो तथा पांगू में भूस्खलन, भूकटाव तथा भूधसाव से ग्रामों की सुरक्षा हेतु आपदा प्रबन्धन विभाग द्वारा सुरक्षा कार्य कराये जायेंगे।

(9.3) राजकीय उद्यान भटका फार्म को उन्नत नर्सरी के रूप में विकसित किया जायेगा।

(9.4) राजकीय इण्टर कालेज, माकम कैलाश के भवनों की मरम्मत सहित चारदीवारी का निर्माण किया जायेगा।

(9.5) धारचूला नगर में जाम की समस्या के निराकरण हेतु पशुपालन विभाग की भूमि पर मल्टीस्टोरी पार्किंग का निर्माण किया जायेगा।

(9.6) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुग्तू के चिकित्सालय भवन एवं आवासीय भवन का निर्माण राजस्व विभाग द्वारा आबंटित भूमि पर कराया जायेगा।

(9.7) दारमा एवं व्यास घाटी को विद्युत आपूर्ति हेतु ग्रिड से जोड़ा जायेगा।

(9.8) चौंदास घाटी के ग्राम तथा दारमा एवं व्यास घाटी के अवशेष ग्रामों को वाईब्रेंट विलेज योजना में सम्मिलित करने हेतु भारत सरकार को संस्तुति भेजी जायेगी।

(9.9) दारमा, चौंदास एवं व्यास घाटी में धार्मिक एवं साहसिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु परम्परागत व्यापारिक, ट्रैकिंग एवं धार्मिक यात्रा पैदल मार्गों को पुनर्विकसित किया जायेगा।

(10) उद्घाटन समारोह के अन्त में, धारचूला शाखा के अध्यक्ष श्री दीपक रौंकली द्वारा मंचासीन विशिष्ट अतिथियों, संस्था के मुख्य संरक्षक, संस्था की केन्द्रीय कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीगण, शाखाओं के उपस्थित पदाधिकारी/सदस्यगण तथा अन्य महानुभावों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समारोह की सफलता तथा समस्त प्रतिभागियों के सुखद प्रवास की कामना की गयी।

2. संस्था की वार्षिक साधारण सभा (ए.जी.एम.) 2024 हेतु पूर्व निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं पर चर्चा :

(1) दिनांक 19–20 अक्टूबर, 2024 के अपरान्ह से लेकर दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 के सॉय तक वार्षिक साधारण सभा (ए.जी.एम.) की औपचारिक बैठक/चर्चा–परिचर्चा सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम का संचालन केन्द्रीय कार्यकारिणी के महासचिव श्री धीरेन्द्र सिंह दत्ताल द्वारा किया गया। महासचिव द्वारा सर्वप्रथम सभा को यह अवगत कराते हुए कि संस्था के अध्यक्ष श्री करन सिंह गर्ब्याल अस्वस्थतावश बैठक में उपस्थित नहीं हो पाये हैं, संस्था के संरक्षक श्री बिशन सिंह बोनाल द्वारा

वार्षिक साधारण सभा (ए.जी.एम.) की अध्यक्षता किए जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसे सभा द्वारा सर्वसहमति से अनुमोदित किया गया।

(2) महासचिव द्वारा मंचासीन सभी पदाधिकारियों, विभिन्न शाखा से पधारे पदाधिकारियों, आयोजन समिति के सदस्यों, उपस्थित सदस्यों एवं तीलू रौंतेली पुरस्कार विजेता श्रीमती शकुंतला दताल का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए संस्था के ए.जी.एम.–2024 के लिए सत्रवार नियत एजेण्डा बिन्दुओं से सदन को अवगत कराया गया और सदन से एजेण्डा विषयवार सार्थक चर्चा कर सम्यक निर्णय लेने हेतु अपील की गयी। तदक्रम में महासचिव द्वारा प्रस्तुत एजेण्डा मदवार विषय, सदन द्वारा की गई सम्यक चर्चा तथा लिए गए निर्णयों का सार अग्रेत्तर प्रस्तरों में उल्लिखित है।

(3) **वार्षिक आम सभा–2023 बरेली (दिनांक 5.11.2023) के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं अनुपालन :**
महासचिव द्वारा सर्वप्रथम 05 नवम्बर, 2023 को बरेली में आयोजित ए.जी.एम.–2023 के कार्यवृत्त तथा उसके अनुपालन में की गयी कार्यवाही पर प्रकाश डालते हुए कार्यवृत्त का अनुमोदन करने हेतु सदन से अनुरोध किया गया। कृत कार्यवाही के विषय में महासचिव द्वारा स्पष्ट किया गया कि ए.जी.एम.–2023 में संस्था की वेबसाइट बनाने व बेरोजगार रं युवकों व युवतियों हेतु रोजगार योजना बनाने का निर्णय लिया गया था और इस उद्देश्य से दो अलग–अलग कमेटी गठित की गयी थी उक्त कमेटियों के अध्यक्षों द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त विषय में कार्य गतिमान है और इसमें कुछ समय और लग सकता है। सदन द्वारा दोनों कमेटियों को उक्त कार्य शीघ्र निष्पादित करने हेतु दिशा निर्देश के साथ समय बिस्तार प्रदान किया गया और कार्यवृत्त पर अनुमोदन प्रदान करते हुए कृत कार्यवाही का संज्ञान लिया गया।

(4) **वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 का प्रस्तुतिकरण एवं सदन द्वारा अनुमोदन :**
महासचिव द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 का प्रस्तुतिकरण करते हुये सदन से वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 को अनुमोदित किये जाने का प्रस्ताव रखा गया जिस पर सदन द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। तद्पश्चात महासचिव द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 का ऑडिटेड तुलनपत्र (Audited Balance Sheet) के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2024–25 के माह सितम्बर, 2024 तक की प्रगति रिपोर्ट तथा आगामी वार्षिक बजट 2025–26 के प्रस्तुतिकरण हेतु केन्द्रीय कोषाध्यक्ष जी से अनुरोध किया गया।

(5) **संस्था के वित्तीय वर्ष 2023–24 के आडिटेड वार्षिक लेखा का प्रस्तुतिकरण, वित्तीय वर्ष 2024–25 में सितम्बर, 2024 तक की प्रगति तथा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक बजट प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण एवं अनुमोदन :**
केन्द्रीय कोषाध्यक्ष द्वारा संस्था के वित्तीय वर्ष 2023–24 के ऑडिटेड तुलनपत्र (Audited Balance Sheet) को सदन में प्रस्तुत करते हुए इसका अनुमोदन किये जाने का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सदन द्वारा चर्चा के बाद अनुमोदन दिया गया। इसी प्रकार केन्द्रीय कोषाध्यक्ष द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 के माह सितम्बर, 2024 तक की प्रगति रिपोर्ट तथा आगामी वर्ष 2025–26 हेतु वार्षिक बजट प्रस्तुत करते हुये उसे अनुमोदित करने हेतु अनुरोध किया गया। इस विषय में विस्तृत चर्चा के पश्चात सदन द्वारा वांछित अनुमोदन प्रदान किया गया।

(6) **रं कल्याण संस्था के प्रधान कार्यालय, लखनऊ का पता बदले जाने पर सदन की सहमति :.** महासचिव द्वारा सदन को अवगत कराया गया कि संस्था के प्रधान कार्यालय का वर्तमान पता "4/353, विवेक खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010" है जो श्री मोहन सिंह तितियाल, पूर्व अध्यक्ष, के आवास का पता है। श्री तितियाल द्वारा उनके लखनऊ में कम रहने के दृष्टिगत संस्था के प्रधान कार्यालय का

पता उनके आवास से हटाने का अनुरोध किया गया है। इस क्रम में विचार विमर्श के उपरान्त सदन द्वारा वर्तमान में संस्था के देहरादून स्थित विस्तार कार्यालय के पते "रं मं बं/रं–चिम, चीड़ोवाली विस्तार, लेन नं. 3 पोस्ट आफिस कंडोली, राजपुर रोड़, देहरादून–248001" को पत्राचार के पते के रूप में अभिलेखों में अंकित किए जाने हेतु डिप्टी रजिस्ट्रार, लखनऊ को पत्र लिखे जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही, यह भी निर्णय लिया गया कि किसी के व्यक्तिगत आवास में लम्बे
समय तक संस्था का प्रधान कार्यालय रखा जाना उचित नहीं होगा जबकि लखनऊ में संस्था का अपना भवन रं मं बं/रं–चिम निर्मित हो चुका है, अतः संस्था के प्रधान कार्यालय का स्थाई पता लखनऊ स्थित "रं मं बं/रं चिम, रं कल्याण भवन, कौशलपुरी कॉलोनी, खरगापुर निकट संकमोचन धाम मंदिर, गोमती नगर बिस्तार", लखनऊ– 226010 संशोधित किये जाने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जाय।

(7) सांस्कृतिक संध्या का आयोजन :

दिनांक 19.10.2024 की सॉयकाल में पूर्व नियत कार्यक्रम अनुसार सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दारमा, व्यांस, चौदास, गो, बरेली, पिथौरागढ़, हल्द्वानी, देहरादून, रालम पातो की टीम द्वारा मनोरम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी उपस्थित सदस्यों का भरपूर मनोरंजन किया गया। ग्राम गो की टीम द्वारा अपनी प्रस्तुति में मनोरंजन के साथ–साथ सामाजिक संदेश कि हमें अपनी भाषा का सर्वत्र प्रयोग करना चाहिये तथा ज्यादातर लोगों को अपने गाँव की तरफ लौटना चाहिये, भी दिया।

(8) संस्था की समस्त शाखाओं के द्वारा अपनी शाखा के क्रियाकलापों पर प्रस्तुतिकरण :

(8.1) **दिल्ली** : दिल्ली शाखा की ओर से प्रस्तुतीकरण करते हुए श्री आनन्द सिंह यर्सों ने शाखा द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ–साथ दिल्ली स्थित रं मं बं की चिकित्सा इत्यादि हेतु देशभर से दिल्ली आने वाले रं–रंस्या हेतु उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला। यह भी अवगत कराया कि यथा सम्भव दिल्ली में कार्यरत डॉक्टरों की टीम समय–समय पर रं मं बं में जाकर दूर दराज से आये हुये मरीजों की काउसिलिंग भी करती है। अगला ए.जी.एम. दिल्ली में कराये जाने के सम्बन्ध में श्री यर्सों द्वारा अवगत कराया कि इस सम्बन्ध में दिल्ली के पदाधिकारियों से वार्ता कर शीघ्र केन्द्रीय कार्यकारिणी को अवगत करा दिया जायेगा।

(8.2) **हल्द्वानी** : हल्द्वानी शाखा के सचिव श्री रितेश सिंह गुंज्याल ने अपने प्रस्तुतीकरण में अवगत कराया कि हल्द्वानी शाखा के द्वारा 16 जून, 2024 को केन्द्रीय कार्यकरिणी के निर्देशन में मंथन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें हल्द्वानी शाखा के सभी सदस्यों द्वारा बढ़–चढ़कर भाग लिया गया। मंथन शिविर के कार्यवृत के सम्बन्ध में पूछे जाने पर श्री गुंजियाल द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यवृत को अन्तिम रूप दिया जा रहा है, शीघ्र ही पूर्ण कर केन्द्रीय शाखा को प्रेषित किया जायेगा। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि हल्द्वानी के रं मं बं में एक हॉस्टल का संचालन हो रहा है, जिसमें वर्तमान में छः विद्यार्थी आवासित हैं। इस भवन के एक कमरे में धारचूला क्षेत्र से इलाज हेतु हल्द्वानी आने वाले निम्न आय वर्ग के सदस्यों के रहने की व्यवस्था भी की जाती है। साथ ही, समय–समय पर बैठक कर सभी सदस्यों से समय से ओ0पी0आई0 जमा किये जाने का अनुरोध भी किया जाता है। उन्होंने रं मं बं में स्थित हॉल के वातानुकुलित किये जाने की आवश्यकता भी बताई।

(8.3) **पिथौरागढ़** : शाखा के अध्यक्ष श्री मान सिंह गर्ब्याल के द्वारा अपने प्रस्तुतीकरण में अवगत कराया गया कि पिथौरागढ़ के रं छात्रावास में 21 छात्र आवासित हैं जो विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। इस छात्रावास के रखरखाव के लिये श्री मंगल सिंह कुटियाल द्वारा प्रतिमाह रू0 10,000/– सहायता दी जाती है। वर्तमान में छात्रावास में कोई वार्डन कार्यरत नहीं है। उन्होंने यह भी अवगत

कराया कि पिथौरागढ़ में निवासरत रं डॉक्टर्स द्वारा समय–समय पर छात्रों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है। साथ ही, समय–समय पर शाखा के पदाधिकारी छात्रावास में जाकर छात्रावास का निरीक्षण एवं वहॉ रह रहे छात्रों की कांउसिलिंग भी करते हैं। श्री गर्ब्याल द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि संस्था द्वारा आपसी सहयोग से वहाँ स्थित शमशान घाट का सौंदर्यीकरण किया गया। सदन द्वारा पिथौरागढ़ हॉस्टल की भूमि/बिल्डिंग का प्रशासन से शीघ्र लीज डीड संस्था के पक्ष में निष्पादित कराये जाने तथा हॉस्टल संचालन हेतु, यदि आवश्यक हो, तो वांछित वार्षिक बजट प्रस्ताव मुख्यालय को प्रस्तुत करने को कहा गया।

(8.4) **धारचूला** : शाखा के सचिव श्री दिनेश सिंह चलाल द्वारा अपने प्रस्तुतीकरण में अवगत कराया गया कि धारचूला शाखा रं कल्याण संस्था की सबसे महत्वपूर्ण शाखा है, जहॉ पर संस्था के कार्यों के साथ–साथ धारचूला क्षेत्र में निवासरत व्यक्तियों/सदस्यों की समस्याओं से भी दो–चार होना पड़ता है। उन्होंने शौकनु में दारमा, व्यांस, चौदास व व्याशी शौका समाज से प्राप्त सहयोग राशि की विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने ओल्ड लिपुलेख से कैलाश दर्शन कराने हेतु स्थानीय टूर संचालकों को भी अनुमति देने तथा इनर लाइन परमिट बनाने हेतु धारचूला में भी एकल खिड़की व्यवस्था लागू किये जाने की मांग की।

(8.5) **बरेली** : बरेली शाखा के अध्यक्ष श्री मोहन सिंह ह्यांकी ने अपने प्रस्तुतीकरण में अवगत कराया कि बरेली में काफी गर्मी पड़ती है, अतः जब बरेली के रं मं बं के जिस कमरे में मीटिंग आयोजित की जाती है वहॉ पर ए.सी. लगाये जाने की आवश्यकता है तथा अनुरोध किया कि इस सम्बन्ध में बजट की व्यवस्था की जाये। इस विषय में केन्द्रीय कार्यकारिणी द्वारा मार्गदर्शन दिया गया कि ओ.पी.आई. के 15% की धनराशि जो शाखाओं को दी जाती है उससे आप ए0सी0 लगा सकते हैं। यदि 15% की धनराशि से ए.सी. लगाया जाना सम्भव नहीं है तो अलग से अपना प्रस्ताव केन्द्रीय कार्यकारिणी को भेजना सुनिश्चित करें जिस पर नियमानुसार विचार कर निर्णय लिया जायेगा।

(8.6) **देहरादून** : शाखा संरक्षक श्रीमती अमृता ह्यांकी ने अपने प्रस्तुतीकरण में अवगत कराया गया कि शाखा द्वारा देहरादून में रह रहे सदस्यों के द्वारा नये घर बनाये जाने पर तथा कोई शादी–विवाह/मुंडन आदि का कार्यक्रम किये जाने पर शाखा को शगुन के रूप में एक न्यूनतम धनराशि भेंट की जाती है, जिससे शाखा अपना कार्य करती है। शाखा द्वारा समय–समय पर छात्रों की काउंसिलिंग भी की जाती है तथा चिकित्सा कैम्प भी चलाये जाते हैं। रं मं बं देहरादून में एक महिला हॉस्टल का संचालन भी किया जा रहा है, जिसमें अभी 12 की क्षमता के विरूद्ध 14 छात्रायें आवासित हैं।

(8.7) **लखनऊ** : लखनऊ शाखा की ओर से श्री धीरेन्द्र सिंह बुदियाल द्वारा अवगत कराया गया कि लखनऊ में निवासरत सभी सदस्यों से ओ.पी.आई. जमा कराये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

(9) रं राजू के चारों घाटी के प्रतिनिधि द्वारा क्षेत्र एवं समाज से जुड़ी समस्याओं पर प्रस्तुतिकरण :

(9.1) **रालम पातो** : रालम पातो शाखा से **श्री नेत्र सिंह दरियाल** द्वारा अपने क्षेत्र के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये अनुरोध किया गया कि रालम पातो में अभी तक सड़क सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसमें मुख्य अवरोध गौरी नदी में पुल के निर्माण में अत्यधिक विलम्ब होना है। अतः संस्था से अनुरोध किया कि रालम पातो को सड़क की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु अपने स्तर से शासन प्रशासन से मिलकर उक्त क्षेत्र में सड़क से जोड़ने हेतु पहल करने का कष्ट करें। साथ ही, यह भी अवगत कराया गया कि रालम पातो की टीम इस उद्देश्य के साथ माकम कैलाश ए.जी.एम. में प्रतिभाग करने आयी कि भविष्य में यदि रालम पातो मिनी ए.जी.एम. करती है तो क्या–क्या/किस प्रकार व्यवस्था की जानी होगी।

रालम पातो प्रतिनिधियों द्वारा यह भी कहा कि यद्यपि रालम पातो शाखा संस्था का मिनी ए.जी.एम. करना चाहती है किन्तु रोड इत्यादि सुविधाओं के अभाव में शाखा मिनी ए.जी.एम. करने में समर्थ नहीं हो पा रही है।

(9.2) **व्यॉस : श्री अशोक सिंह नबियाल** ने व्यासघाटी के प्रतिनिधि के रूप में वक्तव्य देते हुए कहा कि बुदी से ज्यौलिंकांग तक के हमारे बुग्यालों पर रं समुदाय का स्वामित्व नहीं होना बताया जा रहा है, जो कि चन्ता का विषय है। गुंजी मनीला में 23 परिवारों का रोजगार चल रहा है, गुंजी मनीला के भूखण्ड पर स्वामित्व हेतु विचार करना होगा। गुंजी मनीला में प्रस्तावित पर्यटन विभाग का 400 कमरें का गेस्ट हाउस बनता है तो स्थानीय होम स्टे संचालकों का क्या होगा? बुदी गॉव वालों ने 09 नाली जमीन आर्मी को दी थी, जिसे आर्मी वाले 09 नाली को 90 नाली कर बुदी गॉव वालों को परेशान कर रहे हैं। ज्योलिंकॉग में सरकारी एंजेन्सीयाँ अनाप–सनाप कार्य कर रही है, जिससे ज्योलिंकॉग के मूल स्वरूप को खतरा पैदा हो गया है। रौंकांग गॉव को सड़क पहुँचाने के लिए नाबी गॉव ने एन.ओ.सी. जारी कर दिया है। अतः रौंकांग गॉव के लिए सड़क शीघ्र से शीघ्र बननी चाहिए। व्यांस में खासकर नाबी में हो रही अराजकता की निष्पक्ष जॉच होनी चाहिए। इस हेतु उन्होंने शासन स्तर से भी जिला प्रशासन व तहसील प्रशासन को निर्देशित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसी प्रकार रं भाषा की उपेक्षा पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन रं लोगों का है किन्तु चर्चा हिन्दी में, ऐसा क्यों? रं सम्मेलन में रं भाषा में चर्चा कब होगी, इसका इन्तजार कब तक करना पड़ेगा, इस विषय पर गंभीर चिन्ता करने की आवश्यकता है।

(9.3) **दारमा : श्री करन सिंह ग्वाल** द्वारा अपने सम्बोधन में दारमा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं जैसे– रोड, पुल, मोबाइल टॉवर एवं वाइब्रेन्ट गाँव आदि के सम्बन्ध में बताते हुये अवगत कराया कि यद्यपि दिलिन दर्मा सेवा समिति इस संदर्भ में लगातार शासन–प्रशासन से मिलकर कार्य कर रही है; तथापि यदि रं कल्याण संस्था भी इस कार्य के लिये पहल करती है तो यह कार्य यथा समय पूर्ण हो सकता है। उन्होंने पर्यटन की दृष्टि से मल्ला दारमा में ट्रैकिंग हेतु ट्रैक विकसित करने तथा भालू द्वारा दारमा के गाँव में खेती व घरों को क्षति पहुँचाने इत्यादि विषयों पर अपेक्षित कार्यवाहियों पर सदन का ध्यानाकर्षण किया गया।

(9.4) **चौदास : श्री महिमन सिंह ह्यांकी** द्वारा अपने सम्बोधन में मुख्यतः रूंग–गस्कू, रूंग–कुरीला होते हुये गाला इत्यादि रोड बनाने हेतु अनुरोध किया तथा साथ ही चौदास को भी वाइब्रेन्ट विलेज की अवधारणा के अंतर्गत लाने का आग्रह किया।

(9.5) **हिमखोला : श्री जवाहर सिंह गर्खाल** द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि चौदास घाटी में फल पट्टी का विकास किया जाए, कीवी, सेब इत्यादि का उत्पादन किया जाये, मछली पालन का विकास किया जाये। रं ठुम–चारू में एक रूपता पर जोर दिया। वर्ष 2018 में मोगोंग में भयानक बाढ़ आयी थी लेकिन अभी तक विस्थापित लोगों को कोई राहत नहीं मिली है और न ही कोई निर्माण कार्य हुआ है, बाढ़ से हुई क्षति की भरपाई किये जाने पर बल दिया।

(9.6) **पांगू : श्री नरेन्द्र सिंह पतियाल** द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि राजकीय इण्टर कॉलेज पांगू में मात्र 80 छात्र व 04 अध्यापक हैं और कार्यालय स्टाफ एक भी नहीं है। सन् 1959 से संचालित इस ऐतिहासिक स्कूल के संरक्षण हेतु मानक के अनुसार अध्यापकों की तैनाती का आग्रह किया गया। ठानीधार के रोड को सुधारने व पांगू के नीचे के भू धसाव को रोकने के लिए सुरक्षा दीवार के निर्माण की मांग की तथा बी.एस.एन.एल. के अनियमित सेवा/नेटवर्क को नियमित करने की मांग की गयी।

(9.7) **धार पांगू : श्री देव कृष्ण फकलियाल** द्वारा अपने सम्बोधन में धारचूला भोटिया पड़ाव की समस्या के सम्बन्ध में शीघ्र सर्वमान्य समाधान ढूंडे जाने पर पर बल दिया गया।

(9.8) **व्यासी शौका समाज : श्री चमक सिंह तिंकरी** द्वारा अपने सम्बोधन में रपं–दुमलिंग को जोड़ने हेतु झूला पुल निर्माण की मांग की गयी।

(9.9) **सोसा : श्री लक्ष्मण सिंह ह्यांकी** द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि कृषि उपज की सुरक्षा हेतु हिमांचल प्रदेश की तरह फैन्सिग वायर व सौलर करन्ट की व्यवस्था लागत में 80% छूट के साथ कृषकों को उपलब्ध करायी जाए।

(9.10) **युवा वर्ग : श्री नीरज सिंह ह्यांकी** द्वारा अपने सम्बोधन में आर्थिक रूप से सक्षम युवाओं का आह्वान करते हुए अनुरोध किया गया कि सभी युवाओं को संस्था को मजबूती देने के लिये ओ0पी0आई0 जमा करना चाहिये क्योंकि बिना वित्तीय प्रबन्धन के संगठन का चल पाना सम्भव नहीं है।

(9.11) **श्रीमती शकुंतला दताल** द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते उनका मकसद समाज के लिये कार्य करना है। अतः जब तक शारीरिक रूप से सक्षम होंगे वे समाज के लिये तन–मन–धन से कार्य करती रहेंगी।

(9.12) **श्री मंगल सिंह कुटियाल** द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि हम सभी सक्षम सदस्यों को अपनी आय का 1% ओ.पी.आई. के रूप में संस्था को अनिवार्य रूप से जमा करना चाहिये। यदि सभी सदस्य ईमानदारी से अपनी आय का 1% संस्था में जमा करते हैं तो एक ऐसी स्थिति आयेगी जब संस्था के पास 6–7 करोड़ रूपये जमा हो जायेंगे। तब सदस्यों को ओ.पी.आई. देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि उक्त धन के ब्याज से ही संस्था को सुचारू रूप से चलाया जा सकेगा। अतः सभी से अनुरोध किया गया कि सभी सदस्य ईमानदारी से अपना ओ.पी.आई. जमा करेंगे।

(9.13) **श्री रमेश सिंह पतियाल** द्वारा अपने सम्बोधन में अवगत कराया गया कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि माननीय अध्यक्ष जी अस्वस्थ चल रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी के अस्वस्थ होने की जानकारी सभी सदस्यों को होनी चाहिये, क्योंकि कभी–कभी दवाओं से ज्यादा दुआओं का असर होता है। अतः हम सभी रं–रंस्या भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे तत्काल स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर पुनः हमारे बीच पधारे। उन्होंने कहा कि धारचूला के रं–रंस्या के चिकित्सा हेतु बड़े शहरों में जाने पर इसकी जानकारी दी जानी चाहिये, जिससे कि उस शहर के रं–रंस्या समय पर आवश्यक मदद कर सके।

(9.14) **श्री महेन्द्र सिंह कुटियाल** द्वारा अपने सम्बोधन में अवगत कराया कि चौंफू से नपलच्यों तक रोड की हालत बहुत खराब है। इस विषय को प्रशासन से टेकअप करना चाहिये। व्यांस/दारमा क्षेत्र को बिजली के मेन ग्रिड से जोड़ने के लिए संस्था को भी प्रयास करना चाहिए।

(10) **हल्द्वानी के कमलुआगांजा में स्थित रं कल्याण संस्था की भूमि पर चर्चा :**

श्री चंद्र सिंह सीपाल, अध्यक्ष हल्द्वानी शाखा द्वारा कमलुआगांजा में स्थित रं कल्याण संस्था की भूमि के संदर्भ में अपना प्रस्तुतीकरण देते हुए प्रश्नगत भूमि एवं उक्त भूमि पर बने मंदिर के सम्बन्ध में अवगत कराया। साथ ही, यह भी बताया कि इस संदर्भ में सही–सही जानकारी जाँच के बाद ही बतायी जा सकती है। इस विषय में चर्चा के बाद सदन द्वारा एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन करने हेतु निर्देशित किया गया। यह कमेटी इस भूमि से सम्बन्धित समस्त पहलुओं यथा भूमि की पैमाइश, स्वामित्व, मंदिर जिस भू–भाग में बना है उसका स्वामित्व इत्यादि, का विस्तार से अध्ययन कर अपनी आख्या केन्द्रीय कार्यकारिणी को शीघ्र प्रेषित करेगी। तद्पश्चात केन्द्रीय कार्यकारिणी इस रिपोर्ट व अन्य तथ्यों के आलोक में मामले में यथोचित, न्यायसंगत फैशला लेगी जो सर्वमान्य होगा।

(11) ए.जी.एम.–2025 के लिए स्थान का चयन/निर्धारण :

ए.जी.एम.–2025 के लिए स्थान चयन किये जाने के सम्बन्ध में मुख्य संरक्षक महोदय द्वारा प्रस्ताव रखा गया कि यदि दिल्ली शाखा ए.जी.एम. 2025 का आयोजन करती है तो उचित होगा। इस संदर्भ में दिल्ली शाखा के श्री आनन्द सिंह यर्सों द्वारा सैद्धांतिक सहमति देते हुए कहा कि इस संदर्भ में दिल्ली शाखा के पदाधिकारियों से विचार विमर्श करने के बाद ही ए.जी.एम.–2025 का दिल्ली में आयोजन किए जाने के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय लिया जा सकता है। साथ ही, यह भी कहा कि दिल्ली शाखा के पदाधिकारियों से वार्ता कर वस्तुस्थिति से प्रधान कार्यालय को शीघ्र ही अवगत करा दिया जायेगा।

(12) केंद्रीय कार्यकारिणी के नवीन पदाधिकारियों का विधिवत निर्वाचन एवं शपथ :

निर्वाचन अधिकारी श्री नृप सिंह नपलच्याल, श्री बिशन सिंह बौनाल एवं श्री आनन्द सिंह यर्सो की देखरेख में नई केंन्द्रीय कार्यकारिणी का विधिवत निर्वाचन निर्विरोध रूप से दो वर्ष के लिये किया गया जिस पर सदन द्वारा अनुमोदन भी प्रदान किया गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों की सूची निम्नवत है :–

पदनाम	**निर्वाचित पदाधिकारी**
1. संरक्षक–	श्री करन सिंह गर्ब्याल
2. अध्यक्ष–	श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी
3. उपाध्यक्ष–	श्री नारायण सिंह दरियाल
4. महासचिव–	श्री नर सिंह नपलच्याल
5. संयुक्त सचिव–	श्री जीवन सिंह मार्छाल
6. संगठन सचिव–	श्री अर्जुन सिंह नपलच्याल
7. कोषाध्यक्ष–	श्री नयन सिंह कुटियाल
8. संपादक–	श्री रमेश सिंह पतियाल
9. सांस्कृतिक सचिव–	श्री करन सिंह थापा
10. ऑडिटर–	1. श्री प्रकाश सिंह गुंज्याल
	2. श्री जय प्रकाश सिंह नपलच्याल
11. कार्यकारिणी के सदस्य–	1. श्री जीवन सिंह सीपाल
	2. श्री देव कृष्ण सिंह फकलियाल
	3. श्री कल्याण सिंह सोनाल
	4. श्रीमती भावना पतियाल
	5. श्रीमती शकुंतला पतियाल रायपा

मुख्य संरक्षक महोदय द्वारा आम सभा में उपस्थित सभी सदस्यों के सम्मुख नव निर्वाचित अध्यक्ष सहित समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद, कर्तव्य एवं दायित्वों का पूर्णरूप से निष्ठा के साथ वहन करने की शपथ दिलायी गयी तथा निर्वतमान कार्यकारिणी द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त करने के साथ–साथ नई कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं व्यक्त की गयीं।

(13) इस अवसर पर मुख्य संरक्षक एवं निर्वतामन संरक्षक द्वारा बालीबाल टीम के विजेता बौनाल टीम एवं उप विजेता दिलिन दर्मा टीम के साथ–साथ विभिन्न खेलों के विजेताओं एवं उप विजेताओं को ट्राफी प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया।

(14) अंत में, धारचूला शाखा के अध्यक्ष श्री दीपक सिंह रौंकली द्वारा ए.जी.एम. एवं रं महोत्सव 2024 में पधारे मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, शाखा के पदाधिकारियों, आयोजन समिति के पदाधिकारियों/वालंटीयर्स तथा विभिन्न राजकीय विभागों के कार्मिकों का जिन्होंने अपनी प्रदर्शनी लगायी तथा डाक्टर्स की टीम जिनके द्वारा क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी, बिजली विभाग के कार्मिक जिसके सौजन्य से विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से हो पायी तथा इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों जैसे– दारमा, व्यांस चौदास, रालम पातो तथा धारचूला से आये सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही, विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों एवं प्रतिभागियों का भी धन्यवाद ज्ञापन के साथ नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए आगामी ए.जी.एम.–2025 में पुनः मिलने की कामना के साथ समारोह का समापन घोषित किया गया।

(अरविन्द सिंह ह्यांकी)
अध्यक्ष
रं कल्याण संस्था
देहरादून

(नर सिंह नपलच्याल)
महासचिव
रं कल्याण संस्था
देहरादून